अटल भूजल योजना

भूजल संरक्षण एवं संवर्धन में कन्वर्जेन्स (अभिसरण)

अटल भूजल योजना के अन्तर्गत चयनित ग्राम पंचायतों में भूजल संरक्षण एवं संवर्धन के लिए कृषि विभाग, उद्यान विभाग, सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, ग्राम विकास विभाग अभिसरण के माध्यम से ग्राम पंचायतों को जल की समस्या के समाधान के लिए मिलकर प्रयास कर रहे हैं।

अभिसरण वह प्रक्रिया है जो एक लक्ष्य/उद्देश्य की प्राप्ति के लिए अलग–अलग विभाग व क्षेत्र के लोग मिलकर सहभागिता से उद्देश्य की प्राप्ति करते हैं, जिसमें सभी का योगदान निहित होता है।

जनपद बांदा में तालाब का निर्माण कार्य

ग्राम विकास विभाग :

ग्राम विकास विभाग द्वारा योजना के अन्तर्गत चयनित ग्राम पंचायतों में मनरेगा के माध्यम से छोटे तालाब, सोख पिट, कन्टूर बंडिंग तथा रेन वाटर हार्वेस्टिंग आदि कार्यक्रमों का क्रियान्वयन कर ग्राम पंचायत में भूजल स्तर की समस्या के समाधान हेतु कार्य किये जा रहे हैं।

कृषि विभाग :

योजना के अन्तर्गत चयनित ग्राम पंचायतों में कृषि विभाग द्वारा खेतों की मेंड़ बन्दी, समतलीकरण तथा कम जल खपत वाले बीजों का वितरण व खेत तालाब का निर्माण आदि कार्यक्रमों के द्वारा ग्राम पंचायत में भूजल संरक्षण एवं संवर्धन का कार्य किया जा रहा है जिसमें कम जल खपत वाले बीजों का वितरण कर सिंचाई की संख्या कम कर भूजल का संवर्धन एवं किसानों की आय बढ़ाने का कार्य किया जा रहा है।

लघु सिंचाई विभाग :

लघु सिंचाई विभाग द्वारा योजना के अन्तर्गत चयनित ग्राम पंचायतों में चेक डैम का निर्माण, तालाबों का जीर्णोद्धार तथा बुन्देलखण्ड पैकेज के अन्तर्गत भूजल संरक्षण एवं संवर्धन हेतु ग्राम पंचायत स्तर पर सभी को दैनिक एवं कृषि कार्यों हेतु जल की उपलब्धता सुनिश्चित कराने हेतु अनेकों कार्य कराये जा रहे हैं।

उद्यान विभाग :

अटल भूजल योजना अन्तर्गत उद्यान विभाग द्वारा चयनित ग्राम पंचायतों के किसानों को ड्रिप (बूंद–बूंद) सिंचाई तथा स्प्रिंकलर (फौव्वारा) सिंचाई व माइक्रो इरीगेशन से सिंचाई करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है तथा किसानों को प्रशिक्षण एवं अन्य माध्यम से सिंचाई विधि में परिवर्तन कर किस तरह भूगर्भ जल का संरक्षण एवं संवर्धन किया जा सकता है, पर कार्य किया जा रहा है।

गन्ने की फसल में ड्रिप सिंचाई

योजना के अन्तर्गत बुन्देलखण्ड परिक्षेत्र के चयनित 6 जनपद झांसी, ललितपुर, हमीरपुर, महोबा, बांदा व चित्रकूट एवं पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 4 जनपद मुजफ्फरनगर, षामली, बागपत व मेरठ की चयनित ग्राम पंचायतों में विभिन्न विभागों द्वारा योजना के क्रियान्वयन का कार्य किया जा रहा है किसान भाइयों को योजना से सम्बन्धित कार्यक्रमों का लाभ लेने के लिए जनपद स्तर पर विभागों से संपर्क किया जा सकता है। अधिक जानकारी के लिए टॉल फ्री नं0–1800110121 पर संपर्क कर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

''जल के अन्दर जीवन, जीवन के अन्दर जल।
नहीं दिया जो ध्यान अभी, तो बचेगा नहीं कल।।''

''जल की सुरक्षा करो अनिवार्य।
क्योंकि इसके बिना सब है बेकार।।''

प्रस्तुति :

भूगर्भ जल विभाग, उ.प्र.

(नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग, जल शक्ति मंत्रालय, उ.प्र.)